सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई-पत्रिका अंक - 14

जुलाई - 2021

चयनित आदर्श गाँव

शिक्षा

संस्कार

स्वास्थ्य

समरसता

स्वावलंबन

suryaadarshgaonyojna

sf10idealvillage

suryafoundation1

@suryafnd

surya_foundation

suryafoundation

मेरा गाँव - मेरा बड़ा परिवार

www.suryafoundation.org

B-3/330 Paschim Vihar
New Delhi - 110063

शिक्षा के साथ संस्कार की ओर अग्रसर

आज के बच्चे-कल का भारत कहावत हमने सुनी है, किन्तु यह केवल कहावत बनकर न रहे बल्कि इस दिशा में ठोस काम भी हो, इस विचार को लेकर विगत 4 वर्षों से सूर्या फाउण्डेशन कार्यरत है। फाउण्डेशन द्वारा चयनित आदर्श गाँव नांदियाकला (जोधपुर-राजस्थान) में पाँच आयामों को लेकर काम किया जा रहा है, जिसमें पर्यावरण एवं जल संरक्षण का विशेष कार्य देखने को मिल रहा है।

गाँव के विकास में वहाँ के लोगों का बहुत बड़ा योगदान होता है। गाँव के लोगों का जैसा आचरण होगा उस गाँव का वैसा ही भविष्य होगा। गाँव के बच्चों और युवाओं में संस्कार के प्रति जागरुकता बढ़े, इसके लिए **मातृ-पूजन** का कार्यक्रम किया गया। अपनी भारतीय संस्कृति में माताओं के लिए कहा गया है- **यत्र नार्यस्तु पूजन्ते रमन्ते तत्र देवता:।** *अर्थात्*- जहाँ नारी की पूजा होती है वहाँ देवता निवास करते हैं। सृष्टि की कल्पना नारी के बिना असंभव है।

कार्यक्रम में संस्कार केन्द्र के सभी भैया-बहनों ने माताओं को चंदन लगाकर, दीप आरती कर पूजन किया। माताओं ने बच्चों को तिलक लगाकर उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। यह कार्यक्रम प्रत्येक 6 महीने के अंतराल पर किया जाता है, जिससे बच्चों में संस्कार विकसित हो। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए माता ही सक्षम है। क्योंकि शास्त्रों में माता को ही प्रथम गुरु बताया गया, जिसमें सीता माता, माँ जीजाबाई जैसे कई उदाहरण देखने को मिलते हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित माताओं ने बच्चों के अच्छे आचरण, संस्कार का संकल्प लिया। सभी बच्चों ने भी अपने माता-पिता का सम्मान व सेवा करने का संकल्प लिया। ऐसे श्रेष्ठ संस्कारों से ही देश में बढ़ रहे वृद्धाश्रमों में कमी आएगी और गाँव भी खुशहाल होगा। इस पहल को गाँव के लोगों ने खूब सराहा।

अन्य कार्य

- 45 वर्ष के ऊपर सभी ग्रामीणों का covid-19 का टीकाकरण पूरा हुआ।
- जल एवं पर्यावरण संरक्षण के विषय को लेकर केन्द्रीय शुष्क अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों का भ्रमण।
- 60 परिवारों में पोषण वाटिका बीज वितरण कार्यक्रम।
- वीर दुर्गादास नर्सरी का निर्माण।
- वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया।

जल संरक्षण अभियान चलाकर जागरुकता

धरती पर जल संकट व्याप्त है,
शायद मानव इससे अज्ञात है।
पानी की बूँद-बूँद भी बच जाए तो,
बचा हुआ पानी भी पर्याप्त है।

अन्य कार्य

- गाँव में ग्राम संगठन निर्माण हेतु पांच और नए महिला स्वयं सहायता समूह के गठन की योजना बनाई गई है।
- जल सरंक्षण पर 40 बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता कराई गई व विजेताओं को सम्मानित भी किया गया।
- गाँव के 40 परिवारों में पोषण वाटिका बनवाई गई।
- ग्रामवासियों को 2000 पौधे (फलदार और छायादार) वितरित कर लगवाए गए हैं।

जल ही जीवन है यह यथार्थ वाक्य है। हमें न केवल अपने लिए जल की रक्षा करनी है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिये भी इसे बचाना है। पानी की समस्या, जल संरक्षण को लेकर हमारी लापरवाही को दर्शाती है। इस लापरवाही से ही कई क्षेत्रों में बाढ़ तो कई क्षेत्रों में सूखा जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

हमारे पूर्वजों ने नदियों से, हमारे दादा-परदादाओं ने कुएँ से और हम नल से पानी का उपयोग कर रहे हैं और हम यह भी देख रहे हैं कि संभवत: आने वाली पीढ़ी बोतलों में पानी का उपयोग करेगी। इसका मुख्य कारण है पानी की बर्बादी, जिसे बचाने की अत्यंत आवश्यकता है।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा देशभर में जल प्रबंधन की मुहिम चलाई जा रही हैं। इसी मुहिम के तहत सूर्या फाउण्डेशन द्वारा मेरठ के चयनित गाँव फफूण्डा में जल संरक्षण को लेकर सेवाभावियों और ग्राम पंचायत की मदद से कई अच्छे प्रयास किए जा रहे हैं। बच्चों के व्यवहार में जल सुरक्षा हेतु अच्छी आदतों का विकास हो, इसके लिए चित्रकला, संभाषण प्रतियोगिता के साथ-साथ जल का मानव जीवन में क्या महत्व है आदि बातों को संस्कार केन्द्र के बच्चों को बताया जा रहा है।

गाँव के लोगों में जल प्रबंधन के प्रति जागरुकता आए इसके लिए यूथ क्लब के भैयाओं के सहयोग से किसानों को सोख्ता गड्ढा, चेक डेम, रैन वाटर हार्वेस्टिंग, खेतों की मेड बंदी, तालाब गहरीकरण, अपशिष्ट पानी का दुबारा उपयोग आदि तरीकों के बारे में अवगत कराया जा रहा है। पंचायत की ओर से सोख्ता गड्ढा का निर्माण किया गया है। गाँव के बहुत से किसानों ने अपने अपने खेतों की मेड बंदी की है। सबके प्रयास से बच्चों, महिलाओं, किसानों, युवाओं में जल सुरक्षा को लेकर जागरुकता बढ़ी है।

गाँव में किया गया निःशुल्क बीज वितरण

पहला सुख निरोगी काया।

वर्तमान समय में मनुष्य का जो खान-पान बिगड़ा है उससे कई तरह की बीमारियाँ जन्म ले रही हैं। डी.ए.पी, यूरिया एवं रासायनिक खाद जमीनों की उर्वरा शक्ति को खत्म कर फसल को भी जहरीला बना रही हैं। इससे निजात पाने के लिए सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संचालित आदर्श गाँव योजना के तहत हरियाणा क्षेत्र के चयनित आदर्श गाँव नयागाँव में बीज वितरण का कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री हीरा जी (एच.आर. सूर्या रोशनी-बहादुरगढ़), विशिष्ट अतिथि श्री शत्रुहन जी (सह जोन प्रमुख), भंवरसिंह जी (क्षेत्र प्रमुख) एवं अभिषेक जी (प्रमुख-नयागाँव) उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा स्वयं सहायता समूह की 40 महिलाओं को पोषण वाटिका हेतु बीज वितरण किया गया। जिसमें सब्जियों के पाँच प्रकार के बीज (लौकी, तोरई, पालक, बैंगन और गाजर) वितरित किए गए। मुख्य अतिथि श्री हीरा जी ने बताया पोषण वाटिका घर के पास खाली जगह या गमलों में बनाई जा सकती है, परिवार के सदस्य पोषण वाटिका की देखभाल करते हैं। जिस प्रकार माँ अपने बच्चों का ध्यान रखती है, उसी प्रकार हमें भी इन सब्जियों को लगाने के बाद उनका ध्यान रखना है।

पोषण वाटिका में गोबर की खाद एवं गोमूत्र से बने कीटनाशकों का प्रयोग करना है। ये सब्जियाँ स्वास्थ्य वर्धक होंगी। बाजार से सब्जी खरीदने का खर्च बचेगा, घर पर ही ताजी सब्जियाँ मिलेगी। पोषण वाटिका गाँव के प्रत्येक परिवार के लिए बहुत जरूरी है। पुराने समय में सभी गाँव के लोग अपने घरों में सब्जियाँ उगाकर उनका सेवन करते थे और स्वस्थ रहते थे।

अन्य कार्य

- सूर्या संस्कार केन्द्र पर जल संरक्षण जागरुकता के लिए चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई।
- जल संरक्षण के लिए जन-जागरण रैली निकाली गयी, जिसमें गाँव की महिलायें, बच्चे, युवा एवं सेवाभावियों ने भाग लिया।
- पर्यावरण संरक्षण हेतु गाँव में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

जन-जागरण से कराया शत प्रतिशत वैक्सीनेशन

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा देश के 18 राज्यों के 400 गाँवों में ग्राम विकास के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं। संस्था 5 आयामों को लेकर कार्य कर रही है जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, समरसता और स्वावलंबन है। पिछले वर्ष से अब तक कोरोना काल में सूर्या फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं ने गाँवों में घर-घर जाकर लोगों को कोरोना से बचाव के लिए जागरुक किया है।

मथुरा जिले के गाँव नगलावर में सूर्या फाउण्डेशन की टीम ने मिलकर गाँव में कोरोना के प्रति जागरुकता अभियान चलाया। लोगों को मास्क, सैनिटाइजर वितरण करने के साथ-साथ उचित दूरी बनाए रखने की सलाह भी दी। इस समय पूरा विश्व कोरोना महामारी से लड़ रहा है, हमारे देश के वैज्ञानिकों द्वारा बनाई गयी वैक्सीन लोगों के लिए संजीवनी का कार्य कर रही है। इस समय देश में वैक्सीनेशन का काम भी बहुत जोरों से चल रहा है।

कई गाँवों में अफवाह फैलने से वैक्सीन को लेकर लोगों के मन में शंका भी पैदा हुई है। ऐसी ही स्थिति में सूर्या फाउण्डेशन की टीम ने गाँव के कार्यकताओं के साथ मिलकर वैक्सीनेशन जागरुकता के लिए एक अभियान चलाया, लोगों को घर-घर जाकर वैक्सीन के फायदे बताए। कार्यकर्ताओं ने गाँव के प्रत्येक परिवार में जाकर लोगों से वैक्सीन लगवाने का आग्रह किया। 02 जुलाई 2021 को कोरोना वैक्सीनेशन का कैम्प गाँव में लगा, जिले के डॉक्टर्स की टीम ने गाँव में एक सेंटर बनाकर वैक्सीनेशन का कार्य किया। सभी ग्रामीणों के सहयोग से गाँव में शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन सफलता पूर्वक हुआ। नगलावर गाँव खण्ड का पहला शत प्रतिशत वैक्सीनेशन कराने वाला गाँव बना। यहाँ 18 वर्ष के ऊपर सभी लोगों का टीकाकरण पूरा हो चुका है।

अन्य कार्य

- पोषण वाटिका हेतु 50 परिवारों में बीज वितरण।
- 100% परिवारों में तुलसी रोपण किया गया।
- स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा मंदिर प्रांगण में सामूहिक श्रमदान।
- **ग्राम समिति का गठन** - ग्राम प्रमुख, शिक्षा प्रमुख, स्वास्थ्य प्रमुख, जन-जागरण प्रमुख, महिला प्रमुख, कृषि प्रमुख, युवा प्रमुख।
- जल संरक्षण पर बैठक कर गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें 12 संख्या उपस्थित रही।
- सूर्या सिलाई केन्द्र पर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकीं 22 माताओं-बहनों को प्रमाण-पत्र वितरण किया गया।

भूमि सुपोषण एवं संरक्षण कार्यक्रम

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत सीहोर जिले के मूण्डला गाँव में भूमि सुपोषण का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अखिलेश जी परमार (समग्र ग्राम विकास जिला प्रमुख), विजेंद्र जी (सह जिला कार्यवाह-रा.स्व.सं.), सरपंच प्रतिनिधि श्री कैलाश जी एवं श्री विकास विश्वकर्मा (चयनित आदर्श गाँव प्रमुख) द्वारा किया गया। आज के बदलते परिवेश में, रासायनिक खाद व कीटनाशकों के उपयोग से जमीन की उर्वरा शक्ति कम हो रही है। जिसके कारण नई-नई बीमारियाँ भी बढ़ रही हैं।

भूमि सुपोषण कार्यक्रम में किसानों ने अपने खेतों से मिट्टी लाकर पूजन स्थल पर रखी, गौ-माता की आरती करके पूजन किया। पूजन के पश्चात् किसानों को संकल्प दिलाया गया-

भारतीय संस्कृति में अभिप्रेत, भूमि के प्रति मातृभाव को धारण करने के लिए मैं सदैव कटिबद्ध हूँ। धरती माता के प्रति मेरी आदरात्मक भावना मेरे क्रियाओं एवं कर्तव्य पालन से प्रतीत होगी, भूमि सुपोषण के प्रति मेरा अजीवन योगदान होगा और जैविक खाद का अधिक प्रयोग खेतों में करूँगा।

फाउण्डेशन द्वारा देश के 18 राज्यों के 400 गाँवों में यह अभियान चलाया जा रहा है। यह भारतीय कृषि चिंतन एवं भूमि सुपोषण संकल्पना दोनों को सम्मानपूर्वक पुनर्स्थापित करने की दिशा में दृढ़ता से उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। **धरती मेरी माता है, गाय मेरी माता है** यह भाव किसानों को अपने मन में जागृत करना होगा। अन्यथा भविष्य में बहुत बड़ा संकट किसानों और देशवासियों के सामने आने वाला है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरुक करना है। सूर्या फाउण्डेशन पूरे देश में किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरुक करने के लिए भूमि सुपोषण कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है।

अन्य कार्य

- सेवाभावियों के सहयोग से विद्यालय प्रांगण एवं शमशान घाट के प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया।
- गाँव के 45 किसानों को पोषण वाटिका के लिए सब्जियों के बीज वितरित किए गए।
- गाँव में 250 पौधे (फलदार व छायादार) लगाये गये।

पेण्ड्री, राजनांदगाँव (छत्तीसगढ़)

वैक्सीनेशन जागरुकता अभियान

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत पेण्ड्री (सुकुल दैहान) में **वैक्सीनेशन जागरुकता अभियान** चलाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. दानिश सिन्हा (चिकित्सा प्रभारी हेल्थ एंड वेल्थ केयर सेंटर) के साथ सहयोगी नारायण साहू और श्रीमती लता ठाकुर, विशिष्ट अतिथि श्रीमती अनीता वर्मा (सरपंच), शत्रुघन जी (सह जोन प्रमुख-सूर्या फाउण्डेशन) उपस्थित रहे। उपस्थित ग्रामवासियों को कोरोना महामारी से बचाव के बारे में बताया गया।।

डॉ. सिन्हा ने वैक्सीनेशन के बारे में बताया कि इस महामारी से बचने के लिए वैक्सीन लगवाना बहुत ही जरूरी है, इसमें किसी भी प्रकार का कोई साइड इफेक्ट नहीं है और ना ही डरने की आवश्यकता है। वैक्सीन से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। वैक्सीन लगवाने के बाद हल्का बुखार, सर्दी जुकाम, बदन दर्द हो सकता है। इससे डरने की जरूरत नही है। सभी वैक्सीनेशन जरूर कराएँ।

हमें इस महामारी से बचने के लिए सफाई का ध्यान रखना आवश्यक है। मास्क का प्रयोग, हाथ को बार-बार साबुन से धोना, सैनिटाइजर का प्रयोग, सार्वजनिक स्थान में सामाजिक दूरी का ध्यान आदि से कोरोना महामारी से बच सकते हैं। उपस्थित सभी लोगों को शत्रुहन जी ने सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के आयामों, अभियानों, एवं प्रकल्पों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा पांच आयामों- **शिक्षा, संस्कार, स्वास्थ, समरसता एवं स्वावलंबन** को आधार मानकर ग्राम विकास का कार्य किया जा रहा है। इसके कई सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। उपस्थित सभी लोगों ने संस्था द्वारा किए जा रहे ग्राम विकास के कार्यों की खूब प्रशंसा भी की।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में छत्तीसगढ़ प्रांत प्रमुख सनत टंडन जी, ग्राम सेवक राजेंद्र कुशवाहा, शिक्षक हरेन्द्र, सूरज, सेवाभावी भागवत सिन्हा जी, उप सरपंच मिथिलेश सिन्हा, जीवराखन साहू, दानेश्वर, पंच, समलिया साहू, सिलाई केंद्र की शिक्षिका चित्रेखा साहू, युवा सेवा शक्ति संगठन के अध्यक्ष दुर्गेश साहू और अन्य सभी सदस्य उपस्थित रहे।

अन्य कार्य

- गाँव के 70 परिवारों में बीज वितरण किया गया।
- सूर्या सिलाई केन्द्र में 22 बहनों के नए बैच का उद्घाटन।
- ग्रामीणों के सहयोग से वन विभाग द्वारा प्राप्त 1000 पौधे लगाये गये।
- सिलाई प्रशिक्षण की माताओं-बहनों द्वारा 500 मास्क बना कर गाँव में वितरित किए गए।
- संस्कार केन्द्र पर जल संरक्षण विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता की गई, प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को को सम्मानित किया गया।

गाँव को हरा-भरा बनाने का संकल्प

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा देशभर के 18 राज्यों में 400 गाँवों में वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत 5 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य लिया है। गोरखपुर क्षेत्र के गाँव लोनाव में गाँव को हरा-भरा बनाने के लिए तालाबों के आसपास, सड़कों के किनारे, मंदिर और स्कूल प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया। जिसमें फलदार, छायादार व औषधीय पौधे लगाए जा रहे हैं।

वर्तमान समय मे कोरोना महामारी को देखते हुए ऑक्सीजन की कमी के कारण पेड़ो की महत्ता को समझकर इस अभियान को सफल बनाने के लिए गाँव के लोगों के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। इस अभियान में फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं के साथ गाँव के युवाओं और सेवाभावियों का सहयोग मिल रहा है।

गाँव में सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया जिसमें सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक श्रीमान् विंध्याचल आजाद जी ने वृक्षारोपण किया और बताया कि आजकल पेड़ तेजी से कटते जा रहे हैं और जंगल खत्म होते जा रहे हैं। जिससे हमारे वायुमंडल में ऑक्सीजन की कमी हो रही हैं। हम सबको ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाना चाहिए।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चलाये जा रहे इस वृक्षारोपण महाअभियान से जुड़कर हमें और लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित करना होगा। इस दौरान फाउण्डेशन के कार्यकर्ता, सूर्या यूथ क्लब के शिक्षक-सूरज राय, सूर्या संस्कार केन्द्र शिक्षक- दान बहादुर जी, सेवाभावी- अमन कुमार, विश्वनाथ, सभाजीत सम्मिलित हुए।

अन्य कार्य

- 40 परिवारों में सब्जियों के बीज का वितरण किया गया।
- ग्राम समिति के गठन के लिए कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की गयी।

सलोई, विदिशा (मध्य प्रदेश)

गाँव के बुजुर्गों का सम्मान व सहयोग

समाजसेवी संस्था सूर्या फाउण्डेशन द्वारा समाज में विभिन्न प्रकार के सामाजिक कार्य किये जा रहे हैं। इसी क्रम में विदिशा जिले के गाँव- सलोई में सूर्या फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं द्वारा समाज में बुजुर्गों के सम्मान व उनका सहारा बनने का संकल्प लिया। सेवाभावी, युवा और संस्कार केन्द्र के बच्चों ने मिलकर गाँव के जिस परिवार में बुजुर्ग अकेले रहते हैं या जिनके बच्चे बाहर रहते हैं, उन बुजुर्गों के परिवार में जाकर उनका सम्मान किया व गाँव के सेवाभावियों की ओर से उन्हें फल दिए गये। उन्हें भरोसा दिलाया गया कि गाँव के लोग उनके साथ सदैव खड़े हैं। किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर हर सम्भव मदद सब लोग मिलकर करेंगे।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य गाँव में रहने वाले बड़े-बुजुर्गों को सम्मानित कर उन्हें अकेलेपन से मुक्त करना है। बच्चों में अपने माँ-बाप और बुजुर्गों के प्रति सम्मान बढ़े। इसके लिए सलोई में प्रत्येक सप्ताह ऐसे परिवारों का चयन करते हैं। युवाओं के साथ फाउण्डेशन के कार्यकर्ता परिवारों में जाकर उन बुजुर्गों के साथ बैठते हैं तथा उनकी परेशानियों को सुनकर उसे दूर करने का प्रयास कर रहे हैं।

जब बुजुर्गों के साथ बच्चे और युवा साथ में बैठकर बातें करते हैं तो बुजुर्गों से उनके अनुभव और कहानियाँ सुनते हैं। इससे उनको भी अकेलापन महसूस नहीं होता और खुशी भी मिलती है। आज के बच्चों और युवाओं में बुजुर्गों के प्रति दायित्व बोध जगे। यही सूर्या फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं का प्रयास है।

अपने घर के बड़े बुजुर्गों की सेवा करिए फिर देखिए कि उनके आशीर्वाद से कैसे आपके सारे संकट स्वयं दूर हो जाते हैं।

अन्य कार्य

- तीन किसानों ने मिलकर छोटे-छोटे तालाबों का गहरीकरण करवाया।
- गाँव के मंदिर में भजन-कीर्तन कार्यक्रम किया गया।
- 45 परिवारों में सब्जियों के बीज वितरित किये गये।
- जल संरक्षण पर चित्रकला प्रतियोगिता व रैली आयोजित की गयी।
- गाँव के सभी परिवारों में फलदार पौधे वितरित किए गए।

पॉलीथिन मुक्त गाँव के लिए उठाया कदम

जहाँ देश कोरोना महामारी से गुजर रहा है, वहीं लोग शहर से गाँव को लौटे रहे हैं, इससे रोजगार की समस्या बढ़ी है। लोग अपनी आजीविका के साधन तलाश रहे हैं। उत्तराखण्ड में जब रोजगार का संकट गहराया तो गाँव में रोजगार के नए दरवाजे भी खुल रहे हैं। उत्तराखण्ड राज्य के ऊधम सिंह नगर जिले के गाँव बसई का मंझरा में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपने रोजगार के संदर्भ में मिसाल कायम की। गाँव की महिलाओं ने महिला सशक्तिकरण, स्वावलंबन व आत्मनिर्भरता का उदाहरण पेश किया। महिलाओं ने सूर्या फाउण्डेशन के मार्गदर्शन में स्वरोजगार के लिए थैला बनाने का कार्य शुरू किया है।

सामाजिक सद्भाव पर गौर करें तो हमारे देश में किसी भी कार्य में मदद लेने और देने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। गाँव की 8 महिलाओं ने थैला बनाने का कार्य शुरू किया है। इसके माध्यम से महिलाओं के परिवार को आर्थिक मदद भी मिलने लगी है। गाँव के आसपास औद्योगिक क्षेत्र होने से उन्हें थैले बेचने के लिए मार्केट भी आसानी से मिल रहा है। इससे गाँव को पॉलीथिन मुक्त बनाने के लिए बढ़ावा मिल रहा है। सरकार द्वारा पॉलीथिन मुक्त भारत बनाने व पॉलीथिन के प्रयोग में कमी लाने के लिए कई प्रकार के कार्यक्रम किए जा रहे हैं। महिलाओं ने अपनी स्वेच्छा से थैला बनाने का कार्य शुरू किया है। एक महिला 3-4 हजार रुपए प्रति महीने बचत कर रही हैं। ये सभी महिलायें स्वरोजगार को स्थापित करने में सफल साबित हुई हैं और अपने आस-पास के गाँव की महिलाओं को भी प्रेरणा देने का कार्य कर रही हैं।

अन्य कार्य

- वृक्षारोपण महाअभियान के तहत परिवारों में फलदार पौधे वितरित किये गये।
- जल संरक्षण पर बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता कराई गयी।
- पोषण वाटिका हेतु 40 परिवारों में बीज वितरण।
- गाँव में जैविक खेती कर रहे किसानों के खेत का निरीक्षण कृषि अधिकारी द्वारा किया गया।
- स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की बैठक की गई।

स्वावलंबन की ओर बढ़ती महिलायें

आजकल महिलाएँ वह सब कुछ कर रही हैं जो समाज में पुरुष कर सकते हैं। पुरुषों के कंधों से कंधा मिलाकर चलने को तैयार हैं एवं पहले के समय से चली आ रही भ्रांतियों को दूर कर, शिक्षित होकर देश व समाज में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। फिर चाहे वो कल्पना चावला, मा. प्रतिभा पाटिल हो या मीरा बाई चानू। समाज के लोगों की महिलाओं के प्रति सोच भी बदल रही है।

इसी प्रकार का उदाहरण महादेव की नगरी काशी के चयनित आदर्श गाँव कादीपुर में भी देखने को मिल रहा है। सूर्या फाउण्डेशन द्वारा कादीपुर गाँव को आदर्श गाँव के रूप में चयनित किया गया है, जिसमें कई तरह ग्राम विकास के बदलावों को देखा जा सकता है। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र व स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। ऐसे ही दुर्गा स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती माधुरी जी ने एक नया उदाहरण पेश किया। उनके पति की तबितय खराब हाने से, परिवार की आर्थिक स्थिति में भी बुरा असर पड़ा।

सूर्या फाउण्डेशन तथा समूह के अन्य सदस्यों के सहयोग से श्रीमती माधुरी जी ने स्वरोजगार की कमान संभाली और शहर के एक बड़े रेडीमेड व्यवसायी से सम्पर्क कर घर पर ही नाइटी बनाने कार्य शुरू किया। कपड़े से लेकर धागा तक का सारा सहयोग व्यवसायी का ही रहता है।

माधुरी जी बताती हैं कि एक नाइटी बनाने में 10 रुपये मिलता है। वह दिन में 25-30 नाइटी की सिलाई करके 250-300 रुपये की आमदनी कर लेती हैं। उनकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है। माधुरी जी का परिवार व गाँव के अन्य लोग सूर्या फाउण्डेशन के इस प्रयास की सराहना कर रहे हैं।

श्रीमती माधुरी देवी दुर्गा स्वयं सहायता समूह : अध्यक्ष कादीपुर वाराणसी

अन्य कार्य

- 40 परिवारों में पोषण वाटिका के लिए बीज वितरण किया गया।
- भूमि सुपोषण अभियान कार्यक्रम किया गया।
- गुरु पूजन कार्यक्रम किया गया।
- जल संरक्षण पर चित्रकला प्रतियोगिता एवं रैली की गई।
- वृक्षारोपण अभियान के तहत गाँव में 300 पौधे (फलदार व छायादार) लगाये गये।

चयनित आदर्श गाँव में हुए कार्यों की

झलकियाँ अखबारों में

नांदिया कला में नर्सरी का उद्घाटन किया

नांदिया कला में सूर्या फाउंडेशन व महाराणा प्रताप यूथ क्लब ने लगाए पौधे

भास्कर संवाददाता | सोयला

नांदिया कला में सूर्या फाउंडेशन तथा महाराणा प्रताप यूथ क्लब संचालित पौधरोपण अभियान के तहत युवाओं ने एक नई पहल की शुरुआत करते हुए मारवाड़ के वीर दुर्गादास के नाम से नर्सरी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सरपंच जसवंत सिंह भाटी ने युवाओं से आह्वान किया कि वर्तमान में ग्लोबल वॉर्मिंग तथा पर्यावरण असंतुलन को देखते हुए समाज में जो समस्याएं दिखाई दे रही है उनका एकमात्र समाधान प्रकृति का संरक्षण करना है। युवाओं ने एक नई पहल करते हुए अपने स्तर पर नई नर्सरी का निर्माण किया। नर्सरी हित में हो ग्रामीणों को पौधे उपलब्ध हो ध्यान कार्य किया जा रहा है। इस बार की थीम है घर-घर सहजन सहजन की उपयोगिता तथा इनके औषधीय गुणों को देखते हुए इसका व्यापक प्रचार प्रसार के साथ-साथ इसकी उपलब्धता करना सबने ठाना है। इस कार्य के लिए गांव के व्यवस्था की है। उद्घाटन कार्यक्रम में दलपत सिंह भाटी, पूर्व सैनिक रतन लाल सेन, नारायण सिंह भाटी पुलिस विभाग, पुखराज जाखड़ नेवरा, चंपालाल सोनी, गणपत राम मेघवाल, घनश्याम सोनी, समद अली, बाबूलाल दर्जी, भीख पुरी गोस्वामी, पप्पु कुमार, सूर्या, मकेश

ग्रामीणों ने जागरूकता व गांव ने दिखाई थोड़ी सी शक्ति

फरह (श्रीजी एक्सप्रेस ब्यूरो)। फरह के नगलावर में लोगों ने लगवाए कोविड-19 के टीका कुछ अफवाहों के चलते जहां लोग कोविड-19 का टीका लगवाने में गुरेज कर रहे हैं वहीं गाँव नगलावर के ग्रामीणों ने टीकाकरण करवा लिया गया है खण्ड की संभावना है पहला गाँव है जिसने सबसे पहले लोगों को वैक्सीनेशन कराने का गौरव प्राप्त किया है हालांकि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ग्रामीणों जागरूकता के साथ ही गाँव योजना के बेहतर क्रियान्वयन और विकास कार्यों में खण्ड में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाला पहला गाँव नगलावर ने कोविड-19 के वैक्सीनेशन में भी अपना परचम लहरा दिया है सूर्या फाउंडेशन की टीम ने घर-घर जाकर वैक्सीनेशन टीकाकरण के लिए जागरूकता का कार्य किया जिसमें 18 साल से ऊपर के युवाओं एवं 45 साल से ऊपर लोगों ने भाग लिया इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राधा,कुवँर

कोरोना वॉरियर्स सम्मान वैक्सीनेशन जागरूकता अभियान आयोजित,

रिपोर्ट-हरदीप छाबड़ा

राजनांदगांव(अमर स्तंभ)-सूर्या फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा संचालित आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत चलाए जा रहे हैं कोरोना वैक्सीनेशन जागरूकता अभियान के तहत चयनित आदर्श गांव पेंड्री (सुकुल दैहान) में जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर दानिश सिन्हा चिकित्सा प्रभारी हेल्थ एंड वेल्थ केयर सेंटर कसारी के साथ सहयोगी नारायण साहू और श्रीमती लता ठाकुर मुख्य रूप से स्वास्थ्य केंद्र से आए हुए थे। जिनके माध्यम से गांव में विद्यालय के बच्चों को एवं ग्राम वासियों को इस कोरोना महामारी से बचाव के उपाय के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में सरपंच श्रीमती अनीता वर्मा द्वारा अध्यक्षता की गई एवं शत्रुघन लाल कश्यप सह जोन प्रमुख सूर्या फाउंडेशन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित और ना ही किसी प्रकार से डरने की आवश्यकता है। सभी को वैक्सीन लगवाना आवश्यक है, वैक्सीन से हमारा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है जिससे हम कोरोना से बच सकते हैं। वैक्सीन का थोड़ा बहुत प्रभाव पड़ता है जैसे हल्का बुखार, सर्दी जुकाम, बदन दर्द इस प्रकार के थोड़ा बहुत साइड इफेक्ट है जो कि 15 में एक को ही हो सकता है। इसलिए डरने की बात नही है, सभी वैक्सीनेशन जरूर कराएं। बच्चों को जानकारी देते हुए कहा कि हम सबको इस महामारी से बचने के लिए सुरक्षा उपायों को ध्यान में रखना आवश्यक है जहां भी हम एक से दो है वहां मास्क जरूर लगाए, हाथ को बार-बार साबुन से धोये और सैनिटाइज करें, सार्वजनिक स्थान में सामाजिक दूरी का ध्यान रखें तो हम इस कोरोना महामारी से बच सकते हैं। सूर्या फाउंडेशन दिल्ली से आये शत्रुहन लाल कश्यप द्वारा सूर्या फाउंडेशन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूर्या यूथ क्लब चलाए जा रहे हैं। वैसे ही स्वास्थ्य की दृष्टि से खेलकूद, योगाभ्यास एवं अंतर्राष्ट्रीय नैचुरो पैथी के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने का कार्य कर रहे हैं। साथ ही गांव में समरसता हो इसके लिए हर त्यौहार को सामूहिक रूप से मनाने एवं नवरात्र के दिनों में ग्राम गौरव मेला के रूप में मनाना एवं अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन कर गांव के लोगों का आपस में मिलजुल कर रहने के लिए प्रेरित करना। साथ ही स्वालंबन की दृष्टि से वर्तमान में सूर्या फाउंडेशन स्वयं सहायता समूह, निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण, हस्तशिल्प प्रशिक्षण एवं गौ आधारित उत्पाद प्रशिक्षण, जैविक कृषि प्रशिक्षण और पोषण वाटिका के तहत सब्जी का बीज वितरण आदि के माध्यम से गांव को आत्मनिर्भर बनाने में जुटे हुए हैं। ये सारे कार्यक्रम पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल जी चेयरमैन सूर्या फाउंडेशन की प्रेरणा से चलाए

संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम मे सभी स्वास्थ कर्मचारी को साल, पेन डायरी और ऐसे ही जूनियर वर्ग में पूजा साहू डाले साहू भरत सिन्हा क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय दुर्गेश, संतराम, सूरज एवं गांव के सेवाभावी भागवत सिन्हा, मिथिलेश सिन्हा उपसरपंच,

सोयला | नांदिया कला सूर्या फाउंडेशन अपना संस्थान तथा महाराणा प्रताप यूथ क्लब के तत्वावधान में नांदिया कल्ला में आत्मनिर्भर गांव के तहत एक परिवार एक फलदार वृक्ष को ध्यान में रखते हुए पौध वितरण किए गए। श्याम सेन पर्यावरण प्रमुख ने बताया कि नांदिया कला सरपंच जसवंत सिंह के सानिध्य में अलग-अलग स्थानों पर पौध वितरण किए गए। जसवंत सिंह भाटी ने कहा कि वर्तमान में रासायनिक खादों का प्रयोग लगातार बढ़ रहा है। साथ ही इनका रखरखाव परिवार के एक सदस्य की भांति हो जिसे यह परिवार के लिए उपयोगी सिद्ध हो सके। कार्यक्रम में मेघाराम तरड़, पृथ्वीराज लखारा, प्रकाश सोनी, गणपत राम मेघवाल, गजपुरी गोस्वामी, कान सिंह पंवार, रेवत राम मेघवाल, टीकम चंद सोनी सहित अनेक युवाओं की सहभागिता रही।

पोषण वाटिका के लिए किया बीज वितरण कार्यक्रम

बहादुरगढ़ | सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित आदर्श ग्राम योजना के तहत नया गांव व सौलधा में बीज वितरण कार्यक्रम हुआ। जिसमें हीरा,शत्रुहन लाल,भंवर सिंह व अभिषेक उपाध्याय द्वारा स्वयं सहायता समूह गांव की 40 महिलाओं को पोषण वाटिका के लिए बीज वितरण किया गया। जिसमें एक महिला को पांच प्रकार के बीज जिसमें लौकी,तरोई,पालक,बैंगन और गाजर के बीज बांटे गए। शत्रुहन लाल ने बताया कि जिस प्रकार मां अपने बच्चे का ख्याल रखती है।

मूंडला में भूमि सुपोषण और संरक्षण कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इछावर

समाज सेवी संस्था सूर्या फाउंडेशन पूरे देश में समग्र ग्राम विकास के लिए आदर्श ग्राम योजना के तहत अलग-अलग गांवों में कार्य कर रही है। इसके अंतर्गत सीहोर जिले की इछावर ब्लाक की मूंडला गांव में भूमि सुपोषण एवं संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

की आरती करके पूजन कार्य पूर्ण किया गया।

पूजन के पश्चात किसानों को संकल्प दिलाया गया की भारत मेरा देश है, मेरे देश में मेरा स्थान ग्रामीण या शहरी कहीं भी हो भारतीय संस्कृति में अभिप्रेत, भूमि के प्रति मातृभाव को धारण करने के लिए मैं सदैव कटिबद्ध हूं। धरती माता के प्रति मेरी आदरात्मक भावना मेरे

पड़े, इस स्थिति में हम ना आए। इसके लिए हमें जागरूक होना पड़ेगा जिससे कि हम और आने वाली पीढ़ियां भी सुरक्षित रह सकें।

हमारे यहां की भूमि की स्थिति चिंताजनक है भारत सरकार के एक सर्वेक्षण के अनुसार हमारी कुल भौगोलिक क्षेत्र की 30 प्रतिशत भूमि अवनत है। अत्यंत शीघ्रता से हमें भूमि सुपोषण एवं संरक्षण के संकल्प को प्रत्यक्ष धरातल पर क्रियान्वित करना होगा। वर्तमान वर्ष में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के पावन अवसर से भूमि सुपोषण एवं संरक्षण हेतु राष्ट्रीय स्तरीय जन अभियान का प्रारंभ किया गया है। सूर्या फाउंडेशन द्वारा देश के अलग-अलग राज्यों के गांवों में यह अभियान चलाया जा रहा है।

यह जन अभियान, भारतीय कृषि चिंतन एवं भूमि सुपोषण संकल्पना दोनों को सम्मान पूर्वक